दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-12

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Online – 04.09.2023 **UPSC Roll No.: 6307371**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A	1	63
Section-B	2	65
(Grand Total)		128

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

- प्रयास ठीक है।
- लेखन क्षमता सटीक व बेहतर है।
- निष्कर्ष व भूमिका 100–125 शब्दों में लिखें।
- प्रवाह ठीक है।
- प्रयास जारी रखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ESSAY-12

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(4) दुनिया एक किताब है जो लोग यात्रा नहीं करते, वे केवल एक पृष्ठ पढ़ते हैं।

—

भारतीय सिविल सेवा में चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिवर्ष 'भारत-दर्शन' के माध्यम से देश की प्राकृतिक, सामाजिक -सांस्कृतिक व परिवेशीय विविधता का परिचय कराया जाता है। इससे भावी सिविल सेवक जमीनी हकीकत से एकरूप हो सकते हैं जो भविष्य में उनकी मदद करती है।

यदि दुनिया को स्थायी होकर पढ़ने की कोशिश की जायेगी तो कोई कभी द्वितीय पृष्ठ पर भी नहीं पहुँच पायेगा। प्रत्येक व्यक्ति को विविध पहलुओं को जानने व समझने के लिए यात्राओं का सहारा लेना चाहिए। वर्तमान में इन यात्राओं की प्रयास एवं प्रकृति में समयानुरूप परिवर्तन आया है।

भूमिका ठीक है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

ऐतिहासिक रूप से अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तियों ने प्रत्येक पहलू को जानने के लिए यात्राओं का सहारा लिया। भारत में आगमन के बाद गाँधीजी ने अपना प्रारम्भिक समय प्रत्येक क्षेत्र में घूमकर उनकी समस्याओं को जानने में लगाया ताकि उनका निवारण उसी तरह से किया जा सके।

अंग्रेजों ने भी यात्रा के द्वारा ही नवीन उपनिवेशों में अपना डेरा जमाया एवं शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना की। इनसे पूर्व पुर्तगाली, डच व बाद में फ्रांसीसी कम्पनियों ने अपना कब्जा किया।

बिना यात्रा के यह सम्भव ही नहीं हो पाता कि दो विभिन्न देश आपस में प्रभुत्व के लिए किसी तीसरे देश की भूमि पर लड़ें। यात्राओं ने इतिहास से वर्तमान तक को परिवर्तित किया है। आज भौगोलिक परिदृश्य भी यही गवाही देते हैं।

अंग्रेजो की समर कैपिटल 'शिमला' होने का कारण जलवायवीय विविधता थी। यह भारत की यात्रा का ही एक अन्य अध्याय था जहाँ अंग्रेजों ने यह सुनिश्चित किया है कि मौसम में परिवर्तन के साथ उन्हें अपने कार्यकारी एवं राजनीतिक कार्यों में कोई परेशानी ना हो।

आज भी पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले गद्दी व बकरवाल अपने पशुओं के साथ मौसमी यात्राएं करते हैं। उन्हें दो विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जानकारी मिलती है जिससे वे स्वयं एवं पशुचारण को समायोजित करने का प्रयास करते हैं।

भारत की विभिन्न जनजातियां जैसे - गोंड, जरावा आदि अपने मूल निवास से छेड़छाव के विरुद्ध हैं। इन्होंने दुनिया का केवल एक छोर ही पकड़ा हुआ है। इन्हें सामाजीकरण एवं एकीकरण द्वारा पृथकतावाद से मुक्त करने की आवश्यकता है ताकि ये अन्य छोर तक भी अपनी पहुँच बना सकें।

हाल ही में एक राजनैतिक यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक देखी गयी जिसे 'भारत जोड़ो यात्रा' नाम दिया गया। भारत की विविध संस्कृति, भाषा, धर्म आदि को दक्षिण से उत्तर तक एकाकार करने एवं प्रत्येक अंश को ठीक से समझने में ऐसी यात्राएं महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

मणिपुर की हालिया हिंसा पर भी विभिन्न राजनैतिक दलों ने मणिपुर में यात्रा की। इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद दुनिया की किताब के द्वितीय पृष्ठ तक पहुँचने का अवसर देखा गया।

प्रत्येक चुनाव के समय नेतागण अपने-अपने क्षेत्रों की यात्राएं करते हैं एवं जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याएं जानने का प्रयत्न करते हैं। इन्हीं यात्राओं से लोगों एवं विधायिका में प्रतिनिधित्वों के मध्य अन्तर कम होता है। वैश्विक वातावरण में भी ऐसी यात्राएं महत्त्वपूर्ण हैं।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय प्रधानमंत्री की हालिया अफ्रीका यात्रा जिसमें ब्रिक्स देशों के मध्य आपसी विचार-विमर्श देखने को मिला, दुनिया के विभिन्न देशों को निकट से जानने का अवसर था। इसके उपरान्त भारतीय प्रधानमंत्री, ग्रीस की यात्रा पर भी गये जो कि प्रत्येक देश एवं क्षेत्र में सम्बन्धों की बढ़ती प्रक्रियाओं का प्रतिदर्श है।

SCO की समिट भारत में वर्चुएल रूप से आयोजित की गयी जिसमें चीनी व रूसी नेताओं ने ज्वाइन किया। वर्चुएल मिटिंग तकनीकी युग में जानने के अवसरों को तीव्र करती हैं।

आगामी प्रस्तावित G-20 समिट में भी विश्व के विभिन्न देशों के मध्य परस्पर समन्वय एवं सहभागिता देखने को मिलेगी। ये यात्राएं ही हैं जो भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के बारे में जानने का अवसर देती हैं। वैश्वीकरण के इस प्रभाव ने समाज के प्रतिरूप को भी परिवर्तित किया है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय समाज प्रारम्भ से संयुक्त परिवार, मूल्यशील, पारम्परिक प्रथाओं को मानने वाला रहा है। वर्तमान वैश्वीकृत युग में जहाँ सभी लोग एक दूसरे से किसी ना किसी तरह सम्बद्ध है, इसने भारतीय समाज को भी परिवर्तित किया है।

सकारात्मक प्रभाव रूप में यात्राओं ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है जिससे इसरो में रितु करिधल व के. कल्पना जैसी वैज्ञानिकों के नाम सामने आये हैं। जया सिन्हा जैसी महिलाएं ग्लास शीलिंग को तोड़कर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष बनने में कामयाब हुई हैं।

नकारात्मक प्रभावों में पारिवारिक मूल्यों का ह्रास, एकल परिवार प्रथाएं, पूंजीवाद को अधिक महत्व एवं रास्तों की तुलना में लक्ष्य को अधिक महत्व देना सम्मिलित है। अपने दोनों पक्षों से यात्राओं ने ना केवल व्यक्ति का व्यवहार परिवर्तित किया है अपितु भौतिकतावाद को भी जन्म दिया है।

यहाँ -लों मत की धारणा, विचारों की धारा, भाषा व संस्कृति की धारा को भी शामिल करें

भारतीय नागरिक धन कमाने के लिए अमेरिका, कनाडा एवं मध्य-पूर्व की ओर प्रवास करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के 31 मिलियन प्रवासी विभिन्न देशों में निवास करते हैं जो भारतीय संस्कृति के ब्रांड एम्बेसडर की तरह कार्य करते हैं।

भारत-नेपाल के छिद्रित खुले बॉर्डर के कारण अनेक नेपाली भारत में रोजगार करते हैं एवं दोनों देश रोटी-बेटी का रिश्ता साझा करते हैं। अपने सामाजिक स्तर को बढ़ाने के लिए खाड़ी देशों की यात्रा से नवीन संस्कृति को जानने, नयी जलवायु के प्रति संक्रिया देखने को मिलती है।

इससे भारत में ब्रेन ड्रेन की समस्या में काफी वृद्धि हुई है। शीर्ष आई.आई.टी. से पढ़े इन्जीनियर, एम.एन.सी. में कार्य करने हेतु विदेशों में जाने को महत्व देते हैं। वैज्ञानिक अनुसंधानों एवं परिवहन सुविधाओं ने इस प्रक्रिया को गति दी है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

वैज्ञानिकों द्वारा दूसरे ग्रह को जानने, सूर्य के वातावरण को पहचानने, चन्द्रमा पर अनुसंधान हेतु समय-समय पर अनेक उपग्रह भेजे जाते हैं। हाल ही में प्रक्षेपित चन्द्रयान-3 के द्वारा भारत ने चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

चन्द्रयान-3 के द्वारा चन्द्रमा के वातावरण में अनुसंधान, चट्टानों एवं खनिजों के बारे में पता लगाना एवं पृथ्वी की उत्पत्ति सम्बन्धी निष्कर्षों तक पहुँचने की कोशिश की जायेगी।

इसी तरह आदित्य L-1 मिशन के द्वारा सूर्य से आने वाली सोलर फ्लेयर्स के बारे में जानना एवं कोरोना के उच्च तापमान के बारे में अनुसंधान करने का प्रयास किया जा रहा है। अर्थात यदि मनुष्य केवल मात्र पृथ्वी तक सीमित रहता है तो दुनिया के विभिन्न ग्रह, उपग्रह तक पहुँचने का अवसर खो देगा। इन परीक्षणों ने पर्यावरण सुरक्षा की चिंता को ओर बढ़ा दिया है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

वैश्विक यात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति विभिन्न कन्वेंशन को जन्म दिया है। विश्व एक है। पर्यावरण व पृथ्वी एक है। अतः पर्यावरण को बचाने का कार्य भी एक साथ किया जाना चाहिए।

अमेजन के जंगल प्रारम्भ से लगभग 40% समाप्त हो चुके हैं। वैश्विक यात्राओं के द्वारा ही इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा सकता है एवं लोगों को जागरूक किया जा सकता है।

गेटा थानबर्ग अपने 'फ्राइडे फॉर फ्यूचर' कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक कर रही हैं। अब लोग अपने घरों से निकलकर पर्यावरण को बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं एवं प्रेरणा भी प्रदान कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण वास्तव में नैतिक कर्तव्य है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

नैतिक दृष्टिकोण में यात्राओं के माध्यम से मानवता, सत्यनिष्ठा जैसे गुणों को सीखने के उदाहरण अनायास ही मिल जाते हैं। कहीं जाते समय घायल को अस्पताल पहुँचाना, परोपकारिता का उदाहरण है।

भारत सदैव ही "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना का पोषक रहा है। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'अन्तरराष्ट्रीयता' को महत्वपूर्ण माना। उनके अनुसार सभी 'धर्म, वंश, नस्ल, जाति' के लोग एक ही हैं अतः हमें सीमाओं से आगे बढ़कर मानवता का पोषण करना चाहिए।

'सर्वधर्म समभाव' के अनुसार यात्राओं का उद्देश्य आपसी सहानुभूति एवं सहिष्णुता का सृजन होना चाहिए। यात्रा के बिना नागरिकों में गहन मानवीय मूल्यों के प्रति चेतना का जन्म नहीं हो पाता एवं मनुष्य अपनी सीमाओं में बंधक रह जाता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

बहु-विषयक दृष्टिकोण से देखने पर यह ही प्रतीत होता है कि मानव जीवन में यात्राएं करते रहने से ही दुनिया रूपी किताब को पूर्ण रूपेण पढ़ने एवं समझने में सहायता मिलती है।

किन्तु आज तकनीकी व सोशल मीडिया ने सब कुछ क्लिक पर उपलब्ध करवा दिया है जिससे यात्राएं कुछ गौण तो हुई हैं। समय के अनुसार अनुभव बढ़ते हैं। इन्हीं अनुभवों का सृजन मनुष्य को प्रत्येक पक्ष से रूबरू कराता है।

यात्रा के माध्यम से समाजों को जानने, संस्कृतियों को पहचानने एवं राजनीतिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(5) स्वतंत्र प्रेस अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से स्वतंत्रता के बिना, प्रेस बुरा ही होगा।

हाल ही में एक यू-ट्यूब चैनल के माध्यम से खबरें प्रकाशित करने वाले मनीष कश्यप को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उस पर झूठी खबरें प्रचारित करने एवं भारतीय एकता के विरुद्ध खबर चलाने का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

भारत में इन्टरनेट क्रांति के आने के साथ ही यू-ट्यूब ने स्थानीय स्तर पर भी अनेक पत्रकारों एवं प्रेस को जन्म दिया है जिनमें से कुछ सटीक खबरों का प्रकाशन करते हैं तो कुछ अपनी वृद्धि के लिए फेक न्यूज का सहारा लेते हैं। प्रेस को स्वतंत्रता देने में भारतीय लोकतंत्र द्वारा संविधान में अनु. 19 में प्रावधान किये गये हैं। ऐतिहासिक रूप में ही प्रेस का भारतीय समाज में अत्यधिक योगदान रहा है।

भूमिका अ पै (1),15 श्री - प्र(ट्रां) c) सही c)

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के समय विभिन्न समाचार पत्रों, पत्रिकाओं जैसे- केसरी, मराठा आदि ने अंग्रेजों के कुकृत्यों एवं असली उद्देश्य को जनता के सम्मुख लाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया।

ब्रिटिश राज की ओर से देखें तो ये सभी प्रेस उपक्रम देशद्रोही समझे जा रहे थे। ब्रिटिश वायसराय लिटन ने प्रेस एक्ट के द्वारा स्थानीय भाषाओं में प्रेस पर प्रतिबन्ध लगा दिया जिससे रातों रात अमृत बाजार पत्रिका को अंग्रेजी समाचार पत्र के रूप में प्रकाशित किया जाने लगा।

इसी तरह रस्त गोफ्तार, मूकनायक, हरिजन, नेशनल हेराल्ड जैसे पत्रिका एवं समाचार पत्रों को भी अंग्रेज उनकी प्रभुसत्ता के विरुद्ध ही मानते थे। अर्थात् समाचार पत्र अथवा प्रेस को दी गई स्वतंत्रता ही यह निर्धारित करती है कि वह बुरा है या अच्छा।

प्रेस अपनी स्वतंत्रता स्थापित होने पर भौगोलिक बाधाओं यथा- उच्चावच, जलवायु, परिवहन सुविधाओं का अभाव आदि की स्थिति में भी सभी व्यक्तियों तक समान व सत्य सूचना पहुँचाने में मदद करता है।

उदा.- जम्मू-कश्मीर व उत्तरप्रदेश में समान सूचना प्रसार।

प्रेस के खराब होने की स्थिति में यह उचित सूचनाओं, कृषि सम्बन्धी जानकारी आदि का प्रसार नहीं करेगा जिससे भौगोलिक अवरोध के कारण नागरिकों में असमानता स्थापित होगी।

जनजातियों तक प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबन्ध लगाया गया है जैसे- ग्रेट अण्डमानी, जारवा आदि। यह सब उनके संस्कृति संरक्षण, मुख्य भूमि से विलगता के कारण ही है। यदि हमें जनजातियों को मूल क्षेत्र के साथ एकाकार कराना है तो प्रेस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उदा. - जनजातीय समुदायों की समस्याओं को उजागर करके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

स्वतंत्र प्रेस विभिन्न सामाजिक अवरोधों, द्वन्दों का खुल कर प्रचार करती है एवं प्रशासन से इन्हें दूर करने एवं समानता की मांग करती है।

उदा. - महिलाओं की समस्याओं का प्रेस के माध्यम से मंचन एवं महिला सशक्तिकरण की मांग जैसे- 'सत्यमेव जयते'।

प्रेस के खराब होने की अवस्था में वह असहिष्णुता व कट्टरता को फैलाने में सहयोग करती है जिससे सामाजिक ताने-बाने को विकृत करने में भी समस्या नहीं आती।

उदा. - नूँह हिंसा

गैर-स्वतंत्र प्रेस किसी विशेष समाज अथवा नस्ल के प्रति अपनी कृतज्ञता को ज्ञापित कर सकती है एवं अन्य समाज या धर्म के प्रति स्वयं को मंच के रूप में साबित कर सकती है। इस तरह की प्रेस पर सर्वेसर्वा के द्वारा ही कार्यक्रमों को तय किया जाता है एवं संचालन का समय निश्चित किया जाता है। इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप भी संभव है।

प्रेस की स्वतंत्रता -Art-19(1)(a) के संदर्भ को जोड़ते हुए स्वतंत्रता को परिभाषित करें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

स्वतंत्र प्रेस सभी राजनैतिक दलों से समान दूरी बना के रखती हैं एवं देश के हितों को प्राथमिकता देकर ही कार्यक्रमों का संचालन करती है। इनका मूल मकसद देश की उन्नति करना ही होता है।

उदा.- भारत में डीडी न्यूज चैनल।

प्रेस के खराब होने पर किसी विशेष राजनैतिक दल के पक्ष में ही वातावरण बनाने का प्रयास किया जाता है। इनमें निष्पक्षता का स्पष्ट अभाव देखने को मिलता है।

उदा.- आज के अधिकतर प्रेस चैनल।

स्वतंत्रता की अनुपस्थिति में राजनैतिक कृत्यों का गुणगान, केवल अच्छाईयों का प्रकाशन, लोगों को सत्य से अवगत नहीं कराना आदि देखने को मिलते हैं।

उदा.- अनेक तानाशाही देशों की सरकारें अपने प्रेस पर पूर्ण नियंत्रण रखती हैं।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

स्वतंत्र प्रेस से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों जैसे- जलवायु परिवर्तन, शरणार्थी समस्या, अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम की सटीक व सत्य कहानियाँ ही लोगों तक पहुँचाएँ।

उदा.- रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में रिपोर्टिंग

वैश्विक मुद्दों पर एकपक्षीय रिपोर्टिंग से प्रेस की मूल भावना का ही उल्लंघन हो जाता है। जैसे अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दिए गए क्लस्टर बम को सही साबित करने की कोशिश।

वैश्विक वातावरण में प्रेस की स्वतंत्रता नहीं होने पर किसी देश की वास्तविक स्थिति एवं मानवाधिकारों के बारे में अन्य लोगों तक पहुँच नहीं हो पाती। इससे प्रेस से लोगों का विश्वास ही उठ जाता है।

जैसे- चीन में उइगुर मुसलमानों के प्रति दमन को प्रेस द्वारा जनता के समक्ष नहीं लाना।

आर्थिक रूप में प्रेस रोजगार के अवसरों को लोगों तक पहुँचाती है, कौशल विकास के अनेक कार्यक्रम चलाती है एवं शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित कराने के लिए उपग्रहों के प्रयोगों द्वारा कक्षाएं आयोजित की जाती है।

उदा.- वन क्लास वन चैनल।

Good

अनेक प्रेस समूह किसी विशेष व्यक्ति, ग्रुप, संस्थान के विज्ञापन तक ही सीमित रहते हैं एवं इनका मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना ही रह जाता है। ये चैनल भौतिकतावादी प्रवृत्तियों को अधिक प्रोत्साहन एवं महत्व देते हैं।

एक गैर-स्वतंत्र चैनल जीडीपी के आंकड़ों में फेरबदल कर सकता है; बेरोजगारी दर, आर्थिक वृद्धि दर, प्रति व्यक्ति आय आदि के बारे में अपने आका के अनुसार ही उचित अथवा अनुचित प्रसारण कर सकने में सक्षम होता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्रेस ने भारत के चन्द्रयान-3 की सफलता को अपने प्रथम पृष्ठ पर जगह दी। इससे वैज्ञानिक सोच को तो बढ़ावा मिला ही है, महिलाओं को अपने रोल मॉडल भी मिल गये। मीडिया के सदुपयोग से STEM जैसे कार्यक्रमों एवं 'अटल इनोवेशन मिशन' की सफलता को सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है।

खराब प्रदर्शन करने वाले प्रेस समूह हमेशा ही नुक्ताचीनी करते हैं एवं गलतियां ही निकालते रहते हैं इससे मनोबल में गिरावट आती है।

उदा. - पाकिस्तानी चैनलों पर भारतीय वैज्ञानिक प्रदर्शन की आलोचना।

प्रेस पर मुट्ठी बांधने से नवाचारों में गिरावट तो होगी ही। अपनी असफलताओं से सीखने की क्षमता भी कम होगी एवं गलतियां कभी सुधर ही नहीं पाएंगी।

उदा. - यदि भारत प्रेस स्वतंत्र नहीं होती तो क्या ही मालूम कि कोविड से होने वाले नुकसान के बारे में जनता को पता चलता एवं इसे सुधारा जाता।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

मीडिया के माध्यम से पर्यावरण के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद मिली है। पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण प्रभाव आकलन के प्रति लोग स्वयं की जिम्मेदारी समझने लगे हैं। विभिन्न पर्यावरणविद जैसे - भेराराम भाखर, हिम्मत राम भांभू, तुलसी गौड़ा आदि लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं।

प्रेस यदि पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नहीं है तो अपने 'प्रदूषक भुगतान करेगा' सिद्धान्त की अवहेलना करेगी एवं शैलो इकोलॉजिज्म को ही प्रोत्साहित कर पाएगी।

प्रेस की गुलामी मरुस्थलीकरण, मृदा अवनयन, पर्यावरण विनाश, निर्वनीकरण जैसी प्रक्रियाओं को जनता के सम्मुख लाने से कतराएगी। इससे प्रेस की पर्यावरण असंवेदनशीलता एवं पर्यावरण पर आर्थिक लाभ को महत्व देने की प्रक्रिया उजागर होती है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

देश के विभिन्न भागों में होने वाले नैतिक कृत्य, ईमानदार प्रयास एवं गैर भ्रष्ट आचरणों को मीडिया द्वारा ही लोगों के सम्मुख लाया जाता है। इससे सत्यनिष्ठा, शुचिता, नेतृत्व जैसे मूल्यों का विस्तार एवं मॉडल प्रस्तुत करने में सहायता मिलती है।

उदा. - संसद टीवी की 'अभिनव पहल'

मणिपुर हिंसा की जगह सीमा-सचिन के सम्बन्धों को लोगों के सम्मुख लाने की जल्दी एवं टी आर पी के लिए कार्य करने के कारण प्रेस का एक अन्य चेहरा देखने को मिला है।

उदा. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि नफरत से टीआरपी बढ़ती है, मुनाफा बढ़ता है।

मीडिया को अपने नैतिक सिद्धान्तों को पालन करते हुए समस्या/सूचना की तह तक जाकर उचित व सत्य सूचना ही लोगों तक पहुँचानी चाहिए।

उदा. - रामनाथ गोयनका द्वारा आपातकाल के दौरान दर्शाया गया मीडिया साहस।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उपरोक्त विवरण यह स्पष्ट कर देता है कि किसी देश, समाज के विकास के लिए एक स्वतंत्र एवं दूरदर्शी मीडिया की आवश्यकता है। मीडिया (प्रेस) लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में भारत में विद्यमान है किन्तु अनेक बार इसकी कार्यप्रणाली एवं स्वतंत्रता पर प्रश्न उठे हैं।

100-125 शब्दों में लिखें |

कार्यपालिका के कृत्यों के प्रति उन्हें जवाबदेह बनाने, विधायिका को तीव्रतर एवं समावेशी बनाने तथा न्यायपालिका के निर्णयों पर अपनी राय प्रस्तुत करके प्रेस स्वयं को औचित्य सिद्ध कर सकती है। अरुण शौरी के अनुसार-

'प्रेस को न्यायपालिका के प्रत्येक निर्णय का अध्ययन करना चाहिए एवं सकारात्मक आलोचना करनी चाहिए।'

6.5

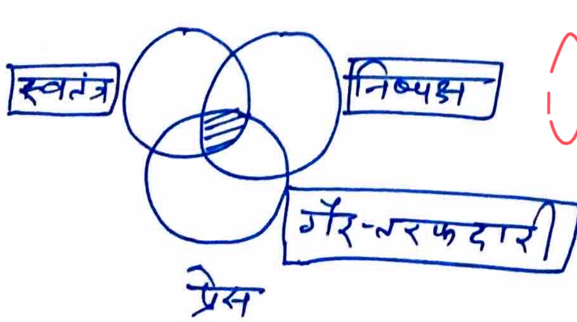

Good